IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, July 2025
Impact Factor: 7.67

सीतापुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षुओं के संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्मसम्मान का विश्लेषणात्मक अध्ययन

नमिता त्रिपाठी

रिसर्च स्कॉलर, श्री ज़े. जे. टी. विश्वविद्यालय झुंझुनू (राजस्थान)

सहायक प्रोफेसर, बी.एड.,महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदोई, उ.प्र.

सारांश

एक शिक्षक के लिए संतोषजनक कक्षागत अंर्तक्रिया के लिए यह आवश्यक है कि उनका विषय ज्ञान पर्याप्त हो एवं शिक्षण–अधिगम के मनोविज्ञान से वह पूर्ण रूप से परिचित हों। इसी क्रम में छात्र के साथ उद्देश्य पूर्ण कक्षागत अंर्तक्रिया के लिए यह भी आवश्यक है की शिक्षक संवेगात्मक रूप से परिपक्व हो एवं उसमें छात्र–छात्राओं के साथ अंतर क्रिया के दौरान संवेगात्मक दृढ़ता दिखाई देती हो। यह संवेगात्मक परिपक्वता या संवेगात्मक दृढ़ता व्यक्ति की संवेगात्मक बुद्धि का महत्वपूर्ण पक्ष है शोधकर्त्री द्वारा वर्तमान अध्ययन में शिक्षक के संवेगात्मक स्थिति के उन्नयन हेतु संवेगात्मक बुद्धि को अध्ययन का संदर्भ बनाया गया है। प्रायः यह देखने में आता है कि यदि किसी व्यक्ति में स्व का बोध पर्याप्त एवं प्रबलित है तो ऐसी स्थिति में वह स्वयं को उपयोगी मानता है एवं उसे अपने मूल्य का बोध होता है। यह मूल्य मनोवैज्ञानिक संप्रत्यय के रूप में आत्म सम्मान के रूप में अभिव्यक्त है । वर्तमान अनुसंधान में शोधकर्त्री ने बी.एड. प्रशिक्षुओं के संवेगात्मक बुद्धि एवं उनके आत्म सम्मान के विविध आयाम का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया है।